Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include the people living in Cor river bank's area of Assam in Central OBC list.

श्री अब्दुल खालेक (बारपेटा): सभापति जी, नदी के किनारे के साथ वाली जगह को असम में 'चौर' इलाका कहते हैं । यह नदी के पास का 'चौर' इलाका बहुत ही बैकवर्ड है और कटाव यहां के लोगों के लिए बहुत समस्या उत्पन्न करता है । वर्ष 2002-03 में एक समीक्षा हुई थी, उसमें बताया गया कि 'चौर' इलाके में केवल 18 परसेंट लिट्रेसी है । यह इलाका लगभग 3 लाख 60 हजार हेक्टेयर में फैला हुआ है और वहां शिक्षा की कोई सुविधा नहीं है और पापुलेशन ग्रोथ रेट भी बहुत ज्यादा है ।

सभापति जी, मैं चाहता हूं कि जब हम जनसंख्या नियंत्रण की बात करते हैं तो भी देखने की बात है कि इतने बड़े इलाके के होते हुए असम में जनसंख्या नियंत्रण नहीं किया जा सकता है । यहां शिक्षा की सुविधा होनी चाहिए । यहां हेल्थ की सुविधा भी बढ़ाने की जरूरत है । इन लोगों का लीविंग स्टैंडर्ड भी बढ़ाना चाहिए । मैं सामाजिक न्याय मंत्री से रिक्वेस्ट करता हूं कि लक्षद्वीप के सारे लोगों को ट्राइबल स्टेटस दिया गया, वैसे ही नदी के साथ वाले 'चौर' इलाके के जितने लोग हों, उनका कोई भी मजहब हो, कोई भी भाषा हो, कोई भी कम्युनिटी हो, एससी-एसटी के लोगों को छोड़ कर जितने समुदाय हैं, सभी लोगों को सैंट्रल ओबीसी लिस्ट में लेना चाहिए ।

श्री हसनैन मसूदी (अनन्तनाग): सभापति जी, आप मुझे इजाजत दीजिए कि नागालैंड में जो धमाका हुआ, उसके लिए हमदर्दी जाहिर करूं ।

माननीय सभापति : उस पर बोल चुके हैं । आप अपने विषय की बात कीजिए ।

श्री हसनैन मसूदी: सभापति जी, जम्मू-कश्मीर के 1 करोड़ 25 लाख लोगों की तरफ से कह रहा हूं, क्योंकि हम ऐसे ही दौर से गुजर रहे हैं । अभी हैदरपोरा में सिविल किलिंग हुई । उससे पहले राम बाग में, उससे पहले लावेपोरा में, उससे

पहले अनन्तनाग में, लेकिन क्या कहीं तहकीकात हुई? हाँ, हमारे दोनों राज्यों के दुखों में फर्क है, क्योंकि उनके लिए सारे लोग बोले, लेकिन कश्मीर के लिए कोई नहीं बोलता है ।

माननीय सभापति : आप विषय पर आइए ।

… (व्यवधान)